

साँवरिया की खाटू नगरी लेकर मुझे चलोगे क्या लिरिक्स



साँवरिया की खाटू नगरी,
लेकर मुझे चलोगे क्या,

कहलाते सब श्याम भक्त,
कोई मेरा काम करोगे क्या,
साँवरिया की खाटू नगरी,
लेकर मुझे चलोगे क्या।

तर्ज - क्या मिलिए ऐसे लोगो से।

निर्धन है तेरा भक्त सांवरा,
तेरे दर नहीं आ पाया,
फिर ये बहाना करता है की,
तेरा बुलावा ना आया,
मन में एक सवाल है की,
कभी दर्शन आकर दोगे क्या,
मन में एक सवाल है की,
कभी दर्शन आकर दोगे क्या,
साँवरिया की खाटू नगरी,
लेकर मुझे चलोगे क्या।

खाटू वाला बैठ यहाँ से,
डोर खींचता जाता है,
जो भी बंधे है डोर से इनकी,
खाटू नगरी जाता है,
मेरी डोर खींचने का,
साँवरिया अब लोगे क्या,
मेरी डोर खींचने का,
साँवरिया अब लोगे क्या,
साँवरिया की खाटू नगरी,
लेकर मुझे चलोगे क्या।

विनती सभी श्याम प्रेमी से,
आज दया दिखला दो तुम,
एक तरसते पुत्र को भक्तो,
पिता से आज मिला दो तुम,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आपसे मिल सकें, वेबसाइट में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



पर विचार करोगे क्या,
'शिवम' की इस छोटी सी विनती,
पर विचार करोगे क्या,
साँवरिया की खाटू नगरी,
लेकर मुझे चलोगे क्या।

कहलाते सब श्याम भक्त,
कोई मेरा काम करोगे क्या,
साँवरिया की खाटू नगरी,
लेकर मुझे चलोगे क्या।

Singer – Manish Soni
